CMYK
हनुमानगढ़ से प्रकाशित एवं प्रसारित
NAVRATAN BHARAT
आर.एन.आई रजि. नं.: RAJBIL/2023/88776, पोस्टल रजि. नं. : श्रीगंगानगर/311/2024-26
Navratan Bharat FOLLOW US
अंक 14,वर्ष 3
पृष्ठ 4, मूल्य 5
मंगलवार
हनुमानगढ 31 मार्च 2026 हिन्दी/अंग्रेजी /साप्ताहिक

नवरतन भारत

प्रधान संपादक लक्ष्मीनारायण स्वामी कार्यालय लक्ष्मीनारायण स्वामी गोविंद सिंह नगर हनुमानगढ़ जं. M.94130-44646 Email:> info@navratanbharat.

सांसद कुलदीप इंदौरा ने संसद में उठाया राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का मुद्दा

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सांसद कुलदीप इंदौरा ने आज लोकसभा में राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

सांसद श्री इंदौरा ने कहा कि राजस्थानी भाषा प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और साहित्य की प्रमुख वाहक है। देशभर में लगभग 7 से 8 करोड़ लोग राजस्थानी भाषा एवं उसकी विभिन्न बोलियों का उपयोग करते हैं, जो इसकी व्यापकता और महत्व को दर्शाता है। इसके बावजूद आज तक इस भाषा को संवैधानिक मान्यता न मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक भाषा का मुद्दा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की पहचान, संस्कृति और सम्मान से जुड़ा विषय है। राजस्थान विधानसभा द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया जा चुका है और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी लंबे समय से इसकी मांग की जा रही है, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

सांसद इंदौरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद इस मुद्दे को लगातार टाला जा रहा है, जो राजस्थान की जनभावनाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाता है, तो इससे न केवल भाषा के संरक्षण और विकास को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत आधार मिलेगा।

अंत में सांसद कुलदीप इंदौरा ने केंद्र सरकार से मांग की कि सरकार करोड़ों राजस्थानी भाषी नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करे और इस लंबे समय से लंबित मांग को जल्द पूरा करे।

जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के खिलाफ बडी कार्यवाही, 03 विदेशी पिस्टल मय कारतूस बरामद

कार्यवाही में एक अवैध मोडिफाईड ग्लौक पिस्टल अनुमानित 9 एमएम बोर मय मेग्जीन,

एक अवैध मोडिफाईड पिस्टल अनुमानित 9 एमएम मय मेग्जीन, एक अवैध पिस्टल अनुमानित 32 बोर मय 02 मेग्जीन मय 03 जिंदा कारतूस व 03 खाली खोखा अनुमानित 7.65 एमएम बरामद, 01 आरोपी गिरफतार पुलिस थाना चूनावढ़ व जिला विशेष टीम द्वितीय की संयुक्त कार्यवाही।

श्रीगंगानगर जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने तीन विदेशी ग्लॉक पिस्टल बरामद करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है, और इसी अभियान के तहत यह सफलता हासिल हुई है।

हरी शंकर, जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड कर तथा अपराधों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड हेतु विशेष अभियान के तहत निरंतर कार्यवाहियां की जा रही हैं।

इसी के अन्तर्गत भूपेंद्र सांनी वृताधिकारी, वृत ग्रामीण के सुपरविजन मे ज्ञानेन्द्र भारती आईपीएस (प्रो.) थानाधिकारी पुलिस थाना चूनावढ़ मय टीम एएसआई अब्दुल जब्बार, कांस्टेबल सीताराम, कांस्टेबल अमित कुमार के द्वारा जिला विशेष टीम द्वितीय राजेन्द्र स्वामी उनि. मय सत्यप्रिय सउनि., राजकुमार हैड कांस्टेबल, राजेन्द्र हैड कांस्टेबल, दयाराम हैड कांस्टेबल, चन्द्रशेखर कांस्टेबल, जितेन्द्र कुमार कांस्टेबल, लालचन्द्र कांस्टेबल चालक की टीम के सहयोग व मुखबीर सुचना से आरोपी खुशपिन्द्र सिह (24) पुत्र सुरेन्द्र सिह निवासी 06 एच छोटी, डबवाली पुलिस थाना चूनावढ़ जिला श्रीगंगानगर के कब्जा से एक अवैध मोडिफाईड ग्लौक पिस्टल अनुमानित 9 एमएम बोर मय मेग्जीन, एक अवैध मोडिफाईड पिस्टल अनुमानित 9 एमएम मय मेग्जीन, एक अवैध पिस्टल अनुमानित 32 बोर मय 02 मेग्जीन मय 03 जिंदा कारतूस व 03 खाली खोखा अनुमानित 7.65 एमएम बरामद कर जाकर आरोपी को गिरफतार किया गया। आरोपी खुशपिंद्र सिंह ने बताया कि उक्त हथियार मय कारतूस मेरे दोस्त रहे जगमीत सिंह निवासी 11 जी जो अपने दोस्तो के साथ कही विदेश मे फरार है। के द्वारा जब करीब 2 साल पहले मेरी जगमीत सिंह से स्नैपचौट व सिगंल एप पर बातचीत होती थी, तो उसने फोन कर बताया था कि मैने तेरे 06 जी गांव के पास वाले खेत में खाला के पास तीन पिस्टल व व कारतूस रखवाये है जिन्हें सुरक्षित रख लेना। उसके बाद करीब 15 दिन बाद उससे मेरी बातचीत होना बंद हो गई व उक्त हथियार व कारतूस मेरे पास ही रह गए। आज उक्त हथियारों को कही अन्य जगह छुपाने के लिए लेकर जा रहा था। खुशप्रिन्द्र सिंह ने अपनी पूछताछ मे विदेश मे इलाका श्रीगंगानगर के अपराधियों जो कही विदेश मे फरारी काटने के लिये छुपे हुए है, के साथ सम्पर्क होना बताया तथा उक्त हथियार अपने पूर्व मे रहे साथी द्वारा भिजवाना बताया गया है। उक्त जगमीत सिंह निवासी 11 जी करीब 3 साल से फरार है जिसके विरुद्ध पुलिस थाना चूनावढ़ पर पूर्व मे एक हत्या का प्रकरण दर्ज है जिसमे उसकी गिरफ्तारी अब तक नही हुई है जो गिरफ्तारी के भय से विदेश में छुपा हुआ है।

इस कार्यवाही में चूनावढ़ थाना पुलिस ने मामला धारा 3,7/25 आर्म्स एक्ट मे दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है। आरोपी खुशप्रिन्द्र सिंह और भी नये तथ्यो का पता चल सकता है।

उक्त कार्यवाही मे ज्ञानेन्द्र भारती आईपीएस प्रो. थानाधिकारी व एएसआई अब्दुल जब्बार पुलिस थाना चूनावढ़ तथा जिला विशेष शाखा द्वितीय के प्रभारी राजेन्द्र स्वामी उनि की विशेष भुमिका रही

दलित एक्शन कमेटी ने संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर सर्किल (गोलबाजार स्थित) पर लगे फव्वारे

लाईटिंग प्रारम्भ करवाने एवं सर्किल की सार संभाल हेतु जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन।

श्रीगंगानगर, 30 मार्च । दलित एक्शन कमेटी द्वारा आज दिनांक 30 मार्च को अति0 जिला कलक्टर रीना छींपा को ज्ञाप सौंपकर अम्बेडकर सर्किल पर म्यूजिकल फव्वारे, म्यूजिक सिस्टम सही करवाने, नियमित साफ सफाई करवाने एवं सर्किल की सार संभाल हेतु स्थाई रूप से कार्मिक की नियुक्ति करवाने की मांग की। दलित एक्शन कमेटी अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने बताया कि शहर के मुख्य स्थल गोलबाजार में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर सर्किल है। यह सर्किल श्रीगंगानगर का एकमात्र दर्शनीय व रमणीय सर्किल है जहां आगन्तुक व शहरवासी विशेष तौर पर देखने आते है। सर्किल पर लगभग दो वर्ष से फव्वारे व म्यूजिकल सिस्टम चल नहीं रहे है तथा ना ही चैक की साफ सफाई व पौधों की देखभाल हो रही है जिससे सर्किल पर अव्यवस्था फैली हुई है। इससे शहरवासियों में रोष है। अति0 जिला कलक्टर द्वारा अम्बेडकर सर्किल पर म्यूजिकल फव्वारे, म्यूजिक सिस्टम सही करवाने, नियमित साफ सफाई करवाने एवं सर्किल की सार संभाल हेतु स्थाई रूप से कार्मिक की नियुक्ति करवाने हेतु आश्वासन दिया। इस दौरान दलित एक्शन कमेटी के अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि, सुरेश नागर, सफाई यूनियन अध्यक्ष सेठी वाल्मीकि, धानक समाज के अध्यक्ष कश्मीरी इंदौरा, लाल सिंह मद्दू, रमेश बंसल, मोहम्मद चिरागद्दीन, न्यू धानमंडी मजदूर संघ जिलाध्यक्ष किशोरी शिवान, समाज सेवी सोहन नायक, अरविंद जाटव, अशोक सुमाली, वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष सूरज भाटिया, विजय द्रविड़, ज्योति धारीवाल, मीडिया प्रभारी राजवीर सिंह ढलोड़, विजय भाटिया आदि मौजूद थे।

जैन आईटीआई कॉलेज में नशा मुक्त जागरूकता कार्यशाला आयोजित

श्रीगंगानगर, 30 मार्च। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्री हरिशंकर के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत जैन आईटीआई कॉलेज में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से श्री विक्रम ज्याणी ने विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया और कहा कि नशा केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक ऐसी साजिश है, जो युवाओं के सपनों, परिवारों की खुशियों और देश के भविष्य को खत्म कर रही है। अगर युवा जागरूक हो जाएं, तो इस साजिश को जड़ से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खुद को नशे से दूर रखते हुए दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि देश को आपकी जरूरत है। आपकी एक सही सोच और एक छोटा कदम न केवल आपकी जिंदगी बचा सकता है बल्कि कई परिवारों को बर्बाद होने से भी रोक सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। उदाहरणों और वास्तविक घटनाओं के माध्यम से यह समझाया गया कि कैसे नशा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से खोखला कर देता है। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विद्यार्थियों ने भी इस विषय पर खुलकर अपने विचार रखे और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कॉलेज प्रिंसिपल श्री विजेंदर स्वामी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी न केवल स्वयं जागरूक होंगे बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाने में भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित विद्यार्थियों ने नशा मुक्त रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली। पुलिस कांस्टेबल श्री प्रवीण कुमार ने मानस हेल्पलाइन 1933, साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

सड़क सुरक्षा के लिये सड़क किनारे अतिक्रमण चिन्हित कर हटाएं

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

श्रीगंगानगर, 30 मार्च। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना ने जिले में सड़क सुरक्षा प्रभावी करने के लिये संबंधित एजेंसियों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क किनारे अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाया जाये।

जिले में सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए श्रीमती रीना ने कहा कि राज्य सड़क सुरक्षा नीति एवं उसके उद्देश्य क्रियान्वयन के साथ-साथ लक्ष्यों का निर्धारण किया जाये। माननीय उच्चतम न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना भी सुनिश्चित की जाये। जिले में सड़क सुरक्षा हेतु प्रभावी कार्य योजना तैयार करने पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों एवं एम्बुलेंसों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए आपातकाल के समय चिकित्सालयों में बैड्स की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाये। बैठक में 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों एवं बच्चों द्वारा वाहन संचालन नहीं करने के लिये यातायात पुलिस द्वारा कार्यवाही करने और अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिये गये। जिले में हाईवे- सड़क किनारे अवैध अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाने और सादुलशहर-संगरिया मार्ग स्थित चैराहे पर सड़क सुरक्षा हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिये पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया गया। हाईवे पर सड़क किनारे अवैध रूप से रूकने वाले वाहनों को नियमित पैट्रोलिंग के जरिये हटाने और आवश्यक चालान कार्यवाही के लिये भी निर्देशित किया गया।

सड़क किनारे रेहड़ी संचालकों से समझाइश करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं के घायलों को तुरन्त उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पीएम राहत योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद घायल को उपचार के लिये जल्द से जल्द निकटतम चिकित्सालय पहुंचाना बेहद आवश्यक है। इसके लिये सरकार द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। घायलों को चिकित्सालय पहुंचाने वालों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है।

इस अवसर पर एएसपी श्री रघुवीर शर्मा, जिला परिषद सीईओ श्री गिरधर, पीडब्ल्यूडी एसई श्री भीमसेन स्वामी, श्री विष्णु खत्री, श्रीमती राजेश, श्री देवानंद, श्री पंकज सैनी, श्री सुरजीत कुमार, श्री मंगत सेतिया, डॉ. इतेन्द्र सिंह उप्पल, श्री हरविन्दर सिंह, श्री महीपाल माली, श्री हीरालाल बिश्नोई, एनएचएआई अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे।

'खामोशी से आवाज़ तक': मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना ने बदली 18 माह के सुफियान की जिंदगी

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत सुफियान को मिला इलाज, नि:शुल्क हुआ कॉक्लियर इम्प्लांट, अब सुन– बोल सकेगा सुफियान

चूरू, 30 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है और बेहतरीन सेवाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है। प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का सही समय पर लाभ और चिकित्सा सेवाओं की तत्परता से असंभव भी अब संभव हो रहा है। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना स्वास्थ्य प्रभावितों की जिंदगी को पूरी तरह बदल रही है। ऐसा ही उदाहरण है चूरू शहर के वार्ड नंबर 17, नया बास निवासी मोहम्मद सुफियान सोलंकी का, जिनको मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पूर्णतया नि:शुल्क उपचार मिला और सफल कॉक्लियर इंप्लांट होने से उनकी खामोशी को आवाज मिल गई। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना 18 माह के बच्चे मोहम्मद सुफियान सोलंकी के लिए जीवन में नई ज्योति बन कर आई है।

सुफियान के पिता जावेद सोलंकी बताते है कि आरबीएसके टीम ने सुफियान की स्वास्थ्य जांच की तो सामने आया कि सुफियान जन्मजात बहरेपन से ग्रसित है। सुफियान जन्म से ही बहरेपन के रोग से ग्रसित हाने के कारण वह बोल भी नहीं पाता था।

जावेद बताते हैं कि सुफियान को ऐसे उनसे देखा नहीं जाता था। वह अक्सर सोचते कि जब वह बड़ा होगा, उसका भविष्य का क्या होगा होगा और इसी सोच से वे परेशान रहने लगे।वह बताते हैं कि तीन भाई – बहनों में सूफियान सबसे छोटा व दो बहनों पर इकलौता भाई है। सुफियान को चूरू के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ विकास देवड़ा को दिखाकर उच्च स्तरीय उपचार कॉक्लियर ईम्पलांट के लिए पीबीएम अस्पताल बीकानेर भिजवाया गया, जहां पीबीएम अस्पताल के कान, नाक, गला रोग विभाग के विभागाध्यक्ष और कॉक्लियर इम्पलांट सर्जन डॉ गौरव गुप्ता ने समस्त आवश्यक

जांच कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में बालक सूफियान का सफल कॉक्लियर इम्पलांट किया गया।

जावेद बताते हैं कि मासूम सुफियान को अब नई जिंदगी मिली है। वह अब सुन सकेगा और बोलना भी सीख पाएगा। यह बदलाव न केवल उसके जीवन को संवारने वाला है, बल्कि उसके परिवार के लिए भी अपार खुशी और राहत लेकर आया है।

वह प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए कहते हैं कि इस महंगे उपचार का पूरा खर्च मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत नि:शुल्क वहन किया गया, जिससे आर्थिक रूप से उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है।

ड्रॉप आउट बच्चों को अधिकाधिक विद्यालयों से जोड़ें, स्कूलों में बढ़ाएं नामांकन : सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक सेवाओं, विद्यालयों में प्रवेशोत्सव, एलपीजी आपूर्ति, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी तैयारियों, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति सहित बिन्दुओं पर की चर्चा, दिए निर्देश

चूरू, 30 मार्च। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक सेवाओं, विद्यालयों में प्रवेशोत्सव, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी तैयारियों, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, एलजी आपूर्ति के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए समुचित निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि शिक्षा अधिकारी समन्वित प्रयासों से स्कूलों में नामांकन बढ़ाएं। सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि ड्रॉप आउट बच्चों को अधिकाधिक विद्यालयों से जोड़ा जाए। प्रवेशोत्सव को लेकर समुचित तैयारी सुनिश्चित की जाए।

सभी उपखंड अधिकारियों से एलपीजी आपूर्ति को लेकर फीडबैक लेते हुए उन्होंने सभी उपखंड अधिकारी अपने क्षेत्र में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्थाओं के संबंध समीक्षा करें तथा पेट्रोल, डीजल आपूर्ति को लेकर भी मुस्तैद रहें। एलपीजी वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता न हो तथा समुचित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने डीएसओ को संपर्क पोर्टल पर एलपीजी आपूर्ति के संबंध मैं प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण की बात कही।

उन्होंने फसल कटाई प्रयोग तथा असमय बरसात से फसल खराबे नहरबंदी व ग्रीष्मकालीन कंटीजेन्सी तैयारियों की चर्चा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि पीएचईडी के सभी अधिकारी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। गर्मियों के मौसम को देखते हुए समुचित पेयजल आपूर्ति हेतु वैकल्पिक तौर पर टैंकरों आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे।

नाला सफाई व बरसात के दौरान पानी भराव स्थितियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी उपखंड अधिकारी से कहा कि अपने क्षेत्र में नगर निकायों में पानी भराव वाले क्षेत्रों तथा नाली व नाला सफाई का निरीक्षण करें। नगर निकाय अधिकारियों के समन्वय से आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए अभी से ही सभी तैयारी सुनिश्चित करें। सभी नगर निकाय अधिकारी नाला– नाली सफाई कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करें और सीवरेज, ड्रेनेज लीकेज व अवरूद्ध हो तो तुरंत दुरूस्त करवाएं। बरसात के दौरान पानी भराव जैसी समस्याओं के निस्तारण के लिए अभी से ही मोटर, पंप सेट आदि के टेंडर आदि की कार्यवाही पूर्ण करें।

जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों में असंतुष्टि वाले प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में भी तेजी लाएं। अधिकारी देखें कि संपर्क प्रकरणों का प्राथमिक स्तर पर प्रभावी समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर असंतुष्टि वाले प्रकरणों में वेरिफिकेशन पूर्ण करें तथा समुचित निस्तारण से परिवादियों को संतुष्ट करें।

के बारे में फीडबैक लिया और कहा कि राजस्व टीम व कृषि विभाग की टीम समुचित समन्वय से असेसमेंट करें। उन्होंने रतनगढ़ व चूरू एसडीएम को 05 व 06 अप्रैल को आयोजित होने वाली एसआई भर्ती परीक्षा के आयोजन को लेकर सभी केंद्रों के निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए विभागीय स्तर पर समुचित प्रयास किए जाएं। जिला कलक्टर ने बैठक में गुरु गोलवलकर आंकाक्षी ब्लॉक योजना के प्रभावी क्रियान्वन को लेकर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने पेंशन व पालनहार के वेरिफिकेशन पूरे करने, राजकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगवाने, पीएमश्री स्कूलों की विजिट कर व्यवस्थाएं देखने और पैरामीटरों पर प्रभावी कार्य करने, डीएमएफटी अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने, मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त भवनों के पूर्ण मरम्मत कार्यों के बिल भुगतान हेतु भिजवाने, पीएम कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत लक्ष्य पूरे करने, एसबीएम ग्रामीण व शहरी तथा एमजेएसए 2.0 में कार्य पूर्ण करने, ट्रांसमिशन लाइनों के प्रकरण निस्तारित करने, लघु सिंचाई गणना, बजट घोषणाओं में भूमि आवंटन व क्रियान्विति, अटल ज्ञान केन्द्र, ओपन जिम, जेएसजेबी सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर समुचित निर्देश दिए।

तारबंदी योजना : किसानों को 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी मिलेगा अनुदान

श्रीगंगानगर, 30 मार्च। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2025-26 में छोटे कृषकों की मांग को ध्यान में रखते हुए विभागीय दिशा निर्देशों में परिवर्तन कर तारबन्दी में 1.5 हैक्टेयर भूमि की बाध्यता को दूर करते हुए इसे 0.5 हैक्टेयर किया है। ऐसा करने से गरीब एवं छोटी जोत वाले किसानों को भी लाभ मिलेगाराजस्थान सरकार कृषि उत्पादन को बढ़ाने सीमांत एवं लघु स्तर के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से तारबंदी योजना पर अनुदान दे कर किसानों को राहत प्रदान कर रही हैं। सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों की फसलों को निराश्रित पशुओं के नुकसान से बचाने के लिए ये जन कल्याणकारी योजना चलाई जा रही है। किसान कड़ी मेहनत व लागत लगाकर फसल और सब्जियां पैदा करते हैं परंतु नील गाय व बेसहारा पशुओं द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जाता है। फसलों की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए राजस्थान सरकार द्वारा खेतों की कांटेदार, चेनलिंक, तारबंदी करवाने पर अनुदान दिया जा रहा है।कांटेदार, चेनलिंक, तारबंदी, वर्गाकार नोडफेंसिंग योजना के लिए आवेदन कर्ता किसान राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए। उसके पास 0.5 हेक्टेयर भूमि होनी आवश्यक है। यदि एक किसान के पास 0.5 हैक्टेयर नहीं है, तो वो अपने पड़ोसी के साथ मिलकर समूह में भी आवेदन लगा सकता है। समूह में 2 या 2 से अधिक किसान मिलकर भी यदि 0.5 हैक्टेयर भूमि एक जगह पर रखते हैं, तो उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। वहीं सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने हेतु समुदायिक रूप से न्यूनतम 10 या अधिक किसान मिलकर 5 हेक्टेयर भूमि में तारबंदी करवाते हैं, तो प्रति किसान अधिकतम 400 मीटर लंबाई पर 50 प्रतिशत या 100 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से अधिकतम 40 हजार रुपये अनुदान राशि मिलेगी। लघु एवं सीमांत किसानों को 400 मीटर लंबाई पर इकाई लागत का 60 प्रतिशत या 120 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से 400 मीटर पर 48 हजार रुपये तक प्रति कृषक देय होगा। वहीं सामूहिक रूप से 10 किसान मिलकर यदि 5 हैक्टेयर क्षेत्र में यदि तारबन्दी करते हैं, तो उन्हें इकाई लागत का 70 प्रतिशत अनुदान अर्थात 140 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से 400 मीटर पर 56 हजार रुपये प्रति किसान तक अनुदान देय है ।खेतों की तारबंदी पर अनुदान के लिए इच्छुक एवं पात्र किसान तारबंदी के लिए प्रस्तावित भूमि की पेरीफेरी का नवीनतम प्रमाणित संयुक्त नक्शा ट्रेस व जमाबंदी एवं जनाआधार कार्ड, आधार कार्ड लघु एवं सीमान्त प्रमाण पत्र। इन सभी दस्तावेजों के साथ ई-मित्र केंद्र या स्वयं के द्वारा राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात विभाग द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जाती है।किसान द्वारा कांटेदार, चेनलिंक, तारबंदी योजना के लिए किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात विभाग द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति निकाली जाती है

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दशार्ते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित

संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दशार्ता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

सनत जैन

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिगरा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

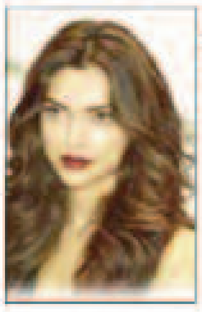

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को संदेश देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। यह अलग- अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

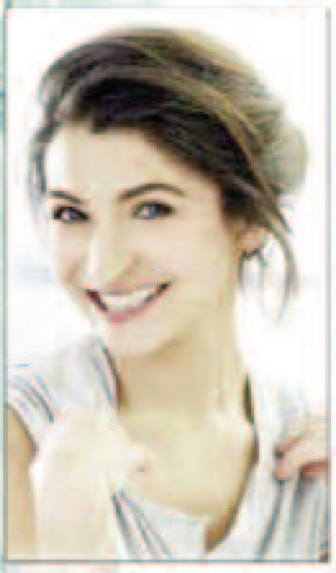

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूक गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफ्लिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन- स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होंने अपनी बातचीत में कहा, "मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला' पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो लोगों की रुचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरुआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्म बनाने से बचता हूं।"

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गदर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। 'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने X पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अरुण के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

महिला कौशल प्रशिक्षण व साइबर जागरूकता शिविर का शुभारंभ

नवरतन भारत

-7 दिवसीय शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा तकनीक व साइबर सुरक्षा का मिलेगा प्रशिक्षण

हनुमानगढ़। महिलाओं एवं बेटियों को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति द्वारा सोमवार, 30 मार्च 2026 से बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज में महिला कौशल प्रशिक्षण एवं साइबर अपराध जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर सात दिनों तक चलेगा, जिसमें छात्राओं को आत्मरक्षा के साथ-साथ साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष जितेंद्र गोयल उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सी.आई. संतोष ढाका एवं पार्षद अंजना जैन ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति की अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल ने की। इस अवसर पर अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि जितेंद्र गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक रहना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को इस प्रकार के शिविरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि संतोष ढाका ने कहा कि महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से आमजन व महिलाओं में आत्मरक्षा की जागरूकता बढ़ेगी। महिलाएं स्वयं की सुरक्षा के प्रति सजग रह सकें। उन्होंने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए सावधानी बरतने के महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

समाजसेवी सुमन चावला ने कहा कि आज 21 वीं सदी में जहां आधुनिकता बढ़ी है, वहीं कुछ युवा नशे की लत के कारण अपनी सुध बुध भुला चुका है। महिलाओं व बेटियों को आत्मनिर्भर होते हुए अपनी सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक होना होगा और अपनी आत्मरक्षा हमारा प्रथम अधिकार है। बेटियां अगर इस आत्मरक्षा शिविर में भाग लेकर अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक होगी तभी यह शिविर सार्थक है।

महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति की अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं, लेकिन इसके साथ ही उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में आत्मरक्षा के गुर सीखना उन्हें न केवल शारीरिक रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि डिजिटल युग में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग जितना आवश्यक है, उतना ही सावधानी बरतना भी जरूरी है। छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए बेटियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए।अग्रवाल ने कहा कि महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति का उद्देश्य समाज में महिलाओं और बच्चों के हितों की रक्षा करना तथा उन्हें सशक्त बनाना है। समिति समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है, जिससे समाज में जागरूकता का प्रसार हो और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें।कार्यक्रम में बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल परमानंद सैनी, महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति की संरक्षक प्रोफेसर सुमन चावला, दर्शना अग्रवाल, एडवोकेट मंजुला गर्ग, बृज किशोर तिवारी, सुभाष गर्ग, श्याम सुंदर बंसल, कोमल कुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त समिति के सलाहकार अमृत गोयल, मोहित बलाडिया, उपाध्यक्ष अनुपमा विजय, कोषाध्यक्ष रेखा बंसल, सचिव मोनिका जिंदल, संगठन मंत्री वनिता सिंगला, सह संगठन मंत्री लीजा गोयल, सोनू अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य, कॉलेज स्टाफ एवं छात्राएं मौजूद रहीं।शिविर के दौरान महिला पुलिस प्रशिक्षक मास्टर ट्रेनर द्वारा छात्राओं एवं बेटियों को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं डिजिटल जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की जाएंगी। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना एवं उन्हें आत्मविश्वास से भरपूर करना है, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में स्वयं की रक्षा कर सकें। यह शिविर छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

कोरोना की याद दिलाकर डर फैलाया जा रहा है- बृजेंद्र सिंह

नवरतन भारत

ऐलनाबाद, 30मार्च (रमेश भार्गव)कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा आज अपने 177 दिन डबवाली के बिश्नोई मंदिर से हुई जहां प्रधान कुलदीप जादूदा ने मंदिर की कार्यकारिणी के साथ बृजेंद्र सिंह का स्वागत किया । इसके बाद यात्रा कॉलोनी रोड, गांधी चौक, भगत सिंह चौक, बठिंडा चौक, गांव डबवाली, गांव जोगेवाला होते हुए गांव देसू जोधा में संपन्न हुई। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने कांग्रेस में अपनी आस्था जताई। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष संतोष बेनीवाल , मलकीत सिंह गंगा, वेदपाल दांगी , गजानंद सोनी और राजन मेहता के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे ।यात्रा के दौरान गांव डबवाली में राजविंद्र सिंह बराड़ के आवास पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा के खुद देश के प्रधानमंत्री ने कह रहे है कि जिस तरह हमने कोरोना के समय एकजुट होकर मुकाबला किया, उसी तरह आने वाले हालातों से भी निपटना होगा।' उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री खुद कोरोना जैसे हालात का उदाहरण देते हैं, तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में उस दौर की यादें और आशंकाएं फिर से जाग उठती हैं। कोरोना का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर बैठ जाता है, क्योंकि देश ने उस समय बहुत दर्द झेला है। लाखों लोगों ने अपनों को खोया, स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई थी और आम आदमी को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करने से बचना चाहिए। देश पहले ही कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में लोगों को भरोसा देने की जरूरत है, न कि डर और भ्रम फैलाने की। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। 'हमारा उद्देश्य देश में स्थिरता और विश्वास बनाए रखना है। लेकिन बीजेपी हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर सच्चाई से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

नशा मुक्त समाज बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा,तभी हम नशा मुक्त समाज की कल्पना कर सकते हैं :- डीएसपी

नवरतन भारत

ऐलनाबाद, 30 मार्च(रमेश भार्गव) रोड़ी थाना क्षेत्र के गांव मतड़ व थिराज में सिरसा पुलिस द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया, जिसमें डीएसपी संजीव बल्हारा ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों और बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर गांव के गणमान्य व्यक्ति, युवा एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।डीएसपी संजीव बल्हारा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में फैल रहे नशे और अपराध पर रोक लगाने के लिए पुलिस के साथ-साथ आम जनता का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि नशा तस्करों और गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि नशे की लत युवाओं को अपराध की ओर धकेलती है, जिसके कारण वे लूट, डकैती, चोरी और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त हो जाते हैं। ऐसे में परिवार और समाज की जिम्मेदारी बनती है कि वे युवाओं को सही दिशा दें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों में प्रेरित करें।साइबर अपराधों पर चर्चा करते हुए डीएसपी बल्हारा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में ठग नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को सावधान करते हुए कहा कि किसी भी अज्ञात नंबर से आने वाली कॉल या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने बताया कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी आर्थिक हानि का कारण बन सकती है, इसलिए सतर्कता ही बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी होती है तो उसे तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवानी चाहिए।

अंत में उन्होंने गांव में आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने और छोटे-मोटे विवादों को पंचायत स्तर पर सुलझाने का आह्वान किया, ताकि क्षेत्र में शांति और सद्भाव बना रहे।

ढोल बजाओ, सरकार जगाओ अभियान के तहत पैक्स कर्मचारियों का प्रदर्शन

नवरतन भारत

-कर्मचारियों ने ढोल बजाकर जताया विरोध, हनुमानगढ़ में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन आयोजित, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हनुमानगढ़। ग्राम सेवा सहकारी समितियों (PACS) के कर्मचारियों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर सोमवार को राजस्थान सहकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर जिले में व्यापक प्रदर्शन किया गया। 'ढोल बजाओ, सरकार जगाओ अभियान' के तहत बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने जाट धर्मशाला, कोर्ट रोड, हनुमानगढ़ जंक्शन में एकत्रित होकर राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में भाग लिया। ढोल बजाते ओर सरकार के विरोध में नारे लगाते कर्मचारी कलेक्ट्रेट तक पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सोपा।

सम्मेलन में विशेष रूप से प्रदेश अध्यक्ष हनुमान सिंह राजावत, प्रदेश अध्यक्ष मदन मेनारिया, प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सदावत, कोषाध्यक्ष बलदेव गेट, चूरू से पवन पूनिया, उदयपुर से वाल सिंह, बीकानेर से राकेश सहारण, गंगानगर से प्रगट सिंह, जसवंत प्रचार, ओमप्रकाश रोझ, खैरथल तिजारा से सुभाष योगी, श्रीगंगानगर से वीरेंद्र यादव ने संबोधित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष रमेश ढाका ने की।

सम्मेलन में जिलेभर से आए पैक्स कर्मचारियों ने विभागीय उदासीनता पर नाराजगी जताई और अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई। रैली के दौरान कर्मचारियों ने ढोल बजाकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और शीघ्र मांगों के समाधान की मांग की।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि समिति द्वारा पूर्व में 6 अगस्त 2025 को मांग पत्र प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उस पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। समिति ने यह भी उल्लेख किया कि विभागीय स्तर पर सितंबर और अक्टूबर 2025 में हुई वार्ताओं में सकारात्मक आश्वासन दिए गए थे, लेकिन अब तक कैडर अथॉरिटी के गठन सहित अन्य मुद्दों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

कर्मचारियों ने बताया कि प्रशासनिक शिथिलता और वादाखिलाफी के कारण 27 फरवरी 2026 से पैक्स से जुड़े सभी कार्यों का अनिश्चितकालीन बहिष्कार किया जा रहा है। इसमें कम्प्यूटराइजेशन, फसली ऋण वितरण एवं वसूली, तथा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन कर्मचारियों के अधिकारों के साथ-साथ किसानों के हितों से भी जुड़ा हुआ है।कार्यक्रम के अंत में जाट धर्मशाला में पुनः बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। सभी कर्मचारियों ने एकजुट रहकर संघर्ष को जारी रखने का संकल्प लिया। इसके पश्चात सामूहिक प्रतिभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रदर्शन के दौरान बैंक के सभी 16 रन पर्यवेक्षकों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा बैंक प्रबंध निदेशक को सोपा। सम्मेलन में तय हुआ की 1 अप्रैल से सभी सहकारी समितियां अपनी जमा राशि की निकासी करेंगे।

चार श्रम संहिताओं के विरोध में 1 अप्रैल को 'काला दिवस' मनाने का आह्वान

नवरतन भारत

हनुमानगढ़। केंद्र सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) से संबंधित नियमों को 1 अप्रैल 2026 से लागू करने की घोषणा के विरोध में श्रमिक संगठनों ने 'काला दिवस' मनाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में आज सीटू (ष्टढ्ढञ्ज) जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें इस विरोध कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों में किए जा रहे बदलाव श्रमिक हितों के विपरीत हैं, जिससे मजदूर वर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी की ऐतिहासिक हड़ताल के बावजूद सरकार अपने फैसले पर कायम है, जिससे श्रमिक संगठनों को आंदोलन और तेज करने की आवश्यकता महसूस हो रही है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच एवं स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनों तथा संघों ने 1 अप्रैल 2026 को 'काला दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का भी समर्थन प्राप्त है, जिससे यह आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।बैठक के दौरान 'काला दिवस' के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत कार्यस्थलों पर काली पट्टी या काले बैंड पहनकर विरोध जताना, लंच अवकाश के दौरान नारेबाजी के साथ प्रदर्शन करना, विभिन्न स्थानों पर धरना-प्रदर्शन एवं जुलूस निकालना, तथा साइकिल या मोटरसाइकिल रैलियों के माध्यम से जनजागरण करना शामिल है।सीटू पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अन्य ट्रेड यूनियनों एवं किसान संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर इस विरोध कार्यक्रम को प्रभावी बनाएं। साथ ही अधिक से अधिक श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।बैठक में संगठन के सदस्यों के बीच विभिन्न जिम्मेदारियों का विभाजन किया गया, ताकि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाया जा सके। वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है और इसमें सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।बैठक को रामेश्वर वर्मा, आत्मा सिंह, शेर सिंह शाक्य, बहादुर सिंह चौहान एवं गुरप्रेम सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने श्रमिकों से एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि 1 अप्रैल को 'काला दिवस' को सफल बनाकर सरकार तक अपनी बात मजबूती से पहुंचाई जाएगी।

एसपी दीपक सहारण के कार्यकाल में नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार 222 मामले दर्ज,378 नशा तस्कर सलाखों के पीछे करोड़ो रुपए के मादक पदार्थ बरमाद

नवरतन भारत

ऐलनाबाद, 30 मार्च (रमेश भार्गव) नशा तस्करों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत बीते पांच माह की अवधि में 222 मामले दर्ज किए गए तथा 378 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीमों द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 474 ग्राम हेरोइन, 9 किलो अफीम, 322 किलो 552 ग्राम डोडा चूरापोस्त तथा 40 किलो 924 ग्राम गांजा पत्ती, 13 ग्राम 123 मिलीग्राम कोकीन बरामद की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद मादक पदार्थों की कीमत करोड़ों रुपये में आंकी गई है। इन कार्रवाइयों से नशा तस्करों में हड़कंप का माहौल बना हुआ है तथा जिले में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगा है। इसी प्रकार शराब तस्करों एवं खुर्दा संचालकों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 41 मामले दर्ज कर 43 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 1960 बोतल देसी शराब,423 लीटर अवैध लाहन तथा 1260 बोतल बीयर बरामद की गई। जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुध विशेष पखवाड़ा अभियान चलाया गया, जिसके तहत 29 मामले दर्ज कर 31 आरोपियों को काबू किया गया। उनके कब्जे से 29 अवैध पिस्तौल, 47 जिंदा कारतूस तथा 2 मैगजीन बरामद कर संबंधित थानों में शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से जिले में आपराधिक घटनाओं पर रोकथाम में मदद मिली है।सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों के विरुध भी विशेष अभियान चलाते हुए जुआ अधिनियम के तहत 17 मामले दर्ज किए गए तथा 85 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 25 लाख 50 हजार 850 रुपये नगद बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त सिरसा पुलिस ने बीते पांच माह में 2 आपराधिक गैंगों का पर्दाफाश करते हुए 10 ईनामी बदमाशों सहित कुल 88 भगोड़ों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये की चल एवं अचल संपत्ति बरामद की गई। अपराधियों के नेक्सस को तोड़ना पुलिस की पहली प्राथमिकता रही है,और इस दिशा में सिरसा पुलिस द्वारा लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करों तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना निसंकोच पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सिरसा में नशा तस्करों को पांव नहीं पसारने दिए जाएंगे और अपराधियों के लिए जिले में कोई स्थान नहीं है। अपराधी चाहे कहीं भी छिप जाएं, पुलिस उन्हें ढूंढकर कानून के शिकंजे में लाएगी।उन्होंने युवाओं से विशेष आह्वान किया कि वे नशे जैसे पथभ्रष्ट मार्ग से दूर रहकर शिक्षा एवं खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और अपने परिवार तथा देश का नाम रोशन करें। साथ ही, नशा पीड़ित व्यक्तियों के उपचार हेतु स्थानीय प्रशासन के सहयोग से पुनर्वास प्रयास भी जारी हैं, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।जिला सिरसा पुलिस अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। यह मुहिम न केवल कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि आमजन के मन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना भी मजबूत कर रही है। पुलिस का संकल्प है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा ।

सरस्वती कन्या उमा विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

नवरतन भारत

हनुमानगढ़। सरस्वती कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय का इस वर्ष भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आठवीं एवं पांचवीं कक्षाओं का परीक्षा परिणाम गत वर्ष की भांति शत-प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट परिणाम आने पर सोमवार को विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव अमरनाथ सिंगला, सहसचिव अनिल बंसल, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र बंसल (डिम्पल) एवं विद्यालय प्रिंसीपल प्रेरणा रस्तोगी ने माध्यमिक कक्षाओं में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभावान छात्राओं का तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा मुंह मीठा करवा कर अभिनंदन किया। साथ ही उन्हें सम्मान प्रतीक भेंट कर प्रोत्साहित किया गया, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली।विद्यालय प्रशासन के अनुसार, माध्यमिक परीक्षा में महकप्रीत, मोहिनी, खुशबू एवं विनिता ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं आठवीं एवं पांचवीं बोर्ड परीक्षाओं में भी अधिकांश विद्यार्थियों ने ए ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस शानदार परिणाम से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।इसके अतिरिक्त, राजस्थान राज्य स्काउट गाइड गतिविधियों में भी विद्यालय की छात्राओं ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मानवीका एवं खुशबू का चयन राज्य पुरस्कार रैली के लिए किया गया है। इन छात्राओं को भी समारोह में सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा नर्सरी से लेकर 11वीं तक की सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मान प्रतीक देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका को भी सराहा गया, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से विद्यार्थियों ने यह सफलता प्राप्त की।

विद्यालय प्रिंसीपल प्रेरणा रस्तोगी ने कहा कि इस उत्कृष्ट परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग को जाता है। उन्होंने सभी छात्राओं को भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

समाधान शिविर में डीडीपीओ ने सुनी आमजन की समस्याएं

ऐलनाबाद , 30 मार्च(रमेश भार्गव)हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह ने आमजन की शिकायतें सुनी। आयोजित इस समाधान शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। इसके साथ-साथ उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में कुल छह शिकायतें प्राप्त हुई।डीडीपीओ बलजीत सिंह ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाती है, इसलिए अधिकारी इनका गंभीरता से निवारण करें। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। नागरिक समाधान शिविरों में पहुंच कर अपनी समस्याओं का निवारण

स्वामी प्रकाशक लक्ष्मी नारायण स्वामी एवं मुद्रक विकास शर्मा के द्वारा शांति सरोज प्रिंटर्स अंबेडकर कॉलोनी हनुमानगढ़ टाउन जिला हनुमानगढ़ से मुद्रित एवं कार्यालय नवरतन भारत वार्ड नंबर 17 गोविंद सिंह नगर हनुमानगढ़ जंक्शन जिला हनुमानगढ़ राजस्थान335512 से प्रकाशित एवं प्रसारित संपादक लक्ष्मी नारायण स्वामी, वाद- विवाद का न्यायिक क्षेत्र हनुमानगढ़ होगा RNI NO RAJBIL/2023/88776 www.navratanbharat.com,email:>info@navratanbharat.com,